सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

महान सपने देखने वालों के महान सपने हमेशा पूरे होते हैं। -ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 51 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 25 मार्च, 2022

यूपी बोर्ड : अब परीक्षार्थियों के नहीं... 2 | उत्तराखंड: अब विभागों के बंटवारे... 3 | सड़क हादसों में दो बच्चों समेत... 7

योगी, केशव और बृजेश पाठक के साथ संभालेंगे यूपी की कमान

स्वतंत्र देव सिंह, एके शर्मा, संजय निषाद और आशीष पटेल समेत 16 कैबिनेट मंत्री

फोटोः सुमित कुमार

- इकाना स्टेडियम में आयोजित भव्य समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दिलायी पद एवं गोपनीयता की शपथ
- दो डिप्टी सीएम और 50 मंत्रियों ने ली शपथ, दानिश आजाद अंसारी को बनाया गया राज्य मंत्री
- पीएम मोदी, गृहमंत्री शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई हस्तियां रहीं मौजूद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर योगी राज का आगाज हो गया है। लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित भव्य समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री के पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी। दो डिप्टी सीएम और 50 मंत्रियों ने भी शपथ ली।

विधान सभा चुनाव में भाजपा प्रचंड बहुमत से उत्तर प्रदेश में दोबारा सत्ता में लौटी है। भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद आज योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। केशव प्रसाद मौर्य को एक बार फिर उपमुख्यमंत्री बनाया गया। पार्टी ने बृजेश पाठक का कद बढ़ाया है। बृजेश पाठक को उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। भाजपा गठबंधन के सहयोगियों को भी मंत्रिमंडल में स्थान दिया गया है। अपना दल के आशीष पटेल और निषाद पार्टी के प्रमुख संजय निषाद ने कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ली। पीएम मोदी के करीबी माने जाने वाले अरविंद कुमार शर्मा को भी योगी सरकार में मंत्री बनाया गया है। आज 16 कैबिनेट मंत्री, 14 स्वतंत्र प्रभार और 20 राज्यमंत्री ने भी शपथ ली। इनमें से 22 मंत्री पहली सरकार के कार्यकाल के हैं। शपथ ग्रहण समारोह में गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, भाजपा शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री और विभिन्न क्षेत्रों की नामचीन हस्तियां मौजूद रहीं।

केसरिया रंग में रंगी राजधानी जश्न में डूबा गोरखपुर

प्रदेश में लगातार दूसरी बार भाजपा सरकार की वापसी और योगी आदित्यनाथ के सीएम पद की शपथ ग्रहण को लेकर जहां प्रदेश की राजधानी लखनऊ केसरिया रंग में रंगा दिखा वहीं सीएम योगी की कर्मनगरी गोरखपुर जश्न में डूब गया। यहां शहर के प्रमुख चौराहों को झालरों और फूल मालाओं से सजाया गया। गोरखनाथ मंदिर में भोजपुरी गायक राकेश श्रीवास्तव के नेतृत्व में सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गयी।

बजाज समूह ने दी बधाई

बजाज समूह (कुशाग्र) ने उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में भाजपा सरकार की वापसी पर बधाई दी है। इस मौके पर कुशाग्र बजाज, चेयरमैन, बजाज ग्रुप, ने अपने सन्देश में योगी आदित्यनाथ की डबल इंजन सरकार को राज्य में स्थिरता, विकास और एक बेहतर कल का संकेत बताया और कहा कि राज्य की 25 करोड़ जनता आने वाले वर्षों में अपने लिए विकास और खुशहाली के और स्वप्न देख सकेगी। उन्होंने कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि राज्य सरकार बीते पांच वर्षों की तरह आगे भी व्यापार और उद्योग को बिना किन्हीं अड़चनों के फलने-फूलने में पूरा सहयोग करती रहेगी।

ये बने मंत्री

कैबिनेट मंत्रीः सूर्य प्रताप शाही, सुरेश कुमार खन्ना, स्वतंत्र देव सिंह, बेबी रानी मौर्य, लक्ष्मी नारायण चौधरी, जयवीर सिंह, धर्मपाल सिंह, नंद गोपाल गुप्ता नंदी, भूपेंद्र सिंह चौधरी, अनिल राजभर, जितिन प्रसाद, राकेश सचान, अरविंद कुमार शर्मा, योगेंद्र उपाध्याय, आशीष पटेल, संजय निषाद।

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)ः नितिन अग्रवाल, कपिलदेव अग्रवाल, रवीन्द्र जायसवाल, संदीप सिंह, गुलाब देवी, गिरीश चंद्र यादव, धर्मवीर प्रजापति, असीम अरुण, जेपीएस राठौर, दयाशंकर सिंह, नरेंद्र कश्यप, दिनेश प्रताप सिंह, अरुण कुमार सक्सेना, दयाशंकर मिश्र दयालु।

राज्य मंत्रीः मयंकेश्वर सिंह, दिनेश खटिक, संजीव गौड़, बलदेव सिंह ओलख, अजीत पाल, जसवंत सैनी, रामकेश निषाद, मनोहर लाल मन्नू कोरी, संजय गंगवार, बृजेश सिंह, केपी मलिक, सुरेश राही, सोमेंद्र तोमर, अनूप प्रधान, प्रतिभा शुक्ला, राकेश राठौर, रजनी तिवारी, सतीश शर्मा, दानिश आजाद अंसारी, विजय लक्ष्मी गौतम।

योगी राज में परिवारवाद-जातिवाद और तुष्टिकरण समाप्त: अमित शाह

» गृहमंत्री बोले, आगे भी यूपी के विकास की मजबूत नींव डालेंगे योगी आदित्यनाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि योगी सरकार के पांच वर्ष के शासन में परिवारवाद, जातिवाद और तुष्टिकरण जैसे लोकतंत्र के तीन नासूरों को समाप्त किया है। उन्होंने कहा कि 2014, 2017, 2019 और 2022 के चुनाव परिणाम ने सिद्ध कर दिया कि प्रदेश की जनता अब परिवारवाद और जातिवाद को नहीं बल्कि पोलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस को मानती है। भाजपा विधायक दल की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की योजनाओं को आगे पहुंचाना ही कर्तव्य है। उन्होंने कहा कार्यकर्ताओं के परिश्रम से ही यह चुनाव परिणाम आया है।

उन्होंने कहा कि यूपी के विकास की मजबूत नींव डालने का काम पिछले पांच वर्ष में हुआ है, उस पर भव्य ईमारत बनाने का काम आगे पांच वर्ष में करना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसा काम करेगा जिससे यूपी के

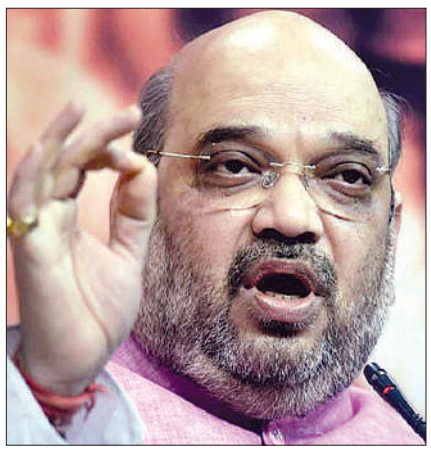

इतिहास में पांच वर्ष स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाएंगे। गृहमंत्री अमित शाह ने विधायकों को नसीहत देते हुए कहा कि याद रखें कि पार्टी सबसे ऊपर होती है। पार्टी की नीतियों को लेकर ही लोकप्रियता का सृजन करती है। सरकार के कार्यक्रम ही नेतृत्व को लोकप्रिय बनाते हैं। उन्होंने कहा कि आगे के पांच वर्ष यूपी के खोए हुए गौरव को वापस दिलाने और यूपी को देश का नंबर एक राज्य बनाने वाले है। उन्होंने कहा कि इसी सभागार से बदलाव, विकास, सुरक्षा, समृद्धि की बुलंद ईमारत बनाने की यात्रा शुरू हो रही है। गरीब और युवाओं, बेटियों के आशाओं और सपनों की यात्रा को भी पूरा करने का काम सरकार को करना है। उन्होंने कहा कि संकल्प लेना होगा कि यूपी को नंबर एक अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाएं।

राजनीति का अपराधीकरण रोकना सबसे बड़ी सफलता

शाह ने कहा कि यूपी में 2017 से पहले कई सालों तक मूल्यों और राजनीतिक विचारधारा का क्षरण होता रहा। उन्होंने कहा यूपी में सालों तक राजनीतिक अस्थिरता का माहौल था। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जातिवाद, परिवारवाद को बढ़ावा दिया जाता था। शासन का राजनीतिकरण और राजनीति का अपराधीकरण होता रहा। पिछली सरकारों में जातिवाद, भ्रष्टाचार के कारण केंद्र सरकार की योजनाएं धरातल पर लागू नहीं होती थी। उन्होंने कहा कि योगी सरकार की सबसे बड़ी सफलता है कि राजनीति का अपराधीकरण और शासन का राजनीतिकरण बंद किया है। उन्होंने कहा कि 2017 से 2022 तक योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में कैबिनेट के फैसलों और संविधान के अनुसार सरकार चली है। सरकार ने बिना किसी भेदभाव के शासन की योजनाओं का लाभ सभी वर्गों को पहुंचाया है।

महंत योगी ने बदला यूपी का राजनीतिक इतिहास

» राजनीति में बढ़ते कद से भाजपा के तमाम दिग्गज असहज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश का राजनीतिक इतिहास बदल दिया। यह पहला मौका है, जब भाजपा का कोई मुख्यमंत्री पांच वर्षों का कार्यकाल पूरा करके दोबारा चुनाव जीता और विधायक दल का नेता चुना गया। आज लखनऊ के इकाना स्टेडियम में दोबारा मुख्यमंत्री पद की शपथ भी ली। ऐसा उत्तर प्रदेश की राजनीति में 37 वर्षों बाद हुआ। इससे पहले किसी मुख्यमंत्री ने दोबारा कुर्सी नहीं संभाली है। गोरखपुर शहर विधानसभा क्षेत्र से 1.03 लाख से ज्यादा मतों के अंतर से चुनाव जीतने वाले गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी राजनीति के अजेय योद्धा हैं।

वह 1998 से लगातार चुनाव जीत रहे हैं। पांच बार गोरखपुर शहर लोकसभा क्षेत्र से सांसद रहे हैं। 2017 में एमएलसी बने और मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाली। 2022 के विधानसभा चुनाव का एलान हुआ तो शहर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतर गए। मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी थी। लिहाजा, पूरे प्रदेश व देश के दूसरे राज्यों में चुनाव प्रचार पर जोर देना पड़ा। गोरखपुर शहर विधानसभा क्षेत्र में ज्यादा समय नहीं दे सके, फिर भी जनता ने बड़े अंतर से चुनाव जिताकर लखनऊ भेज दिया। योगी आदित्यनाथ ने पांच वर्षों तक मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी संभाली, लेकिन गोरक्षपीठ से लगाव बरकरार रहा। वह पीठ के हर महत्वपूर्ण कार्यक्रम में हिस्सा लेते हैं। योगी के राजनीति में बढ़ते कद से भाजपा के तमाम दिग्गज असहज हो गए। नतीजतन, भितरघात होने लगा।

दिव्य और भव्य बनाना है कृष्ण की नगरी को: श्रीकांत शर्मा

» सरकार में प्रतिनिधित्व तय करेगा मथुरा का भविष्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनाव में भाजपा को बहुमत भी मिला और मथुरा से पांचों विधानसभा सीटें जीतकर इतिहास भी रचा गया। अब इंतजार है कि प्रदेश सरकार के गठन में मथुरा को कितना दमदार प्रतिनिधित्व मिलता है। अच्छा प्रतिनिधित्व ही मथुरा का भविष्य तय करेगा। आज शपथ ग्रहण समारोह के मौके पर मथुरा विधायक श्रीकांत शर्मा ने कहा कि मथुरा को भव्य और दिव्य बनाना है।

मथुरा से श्रीकांत शर्मा, गोवर्धन से मेघश्याम सिंह, छाता से लक्ष्मीनारायण चौधरी, मांट से राजेश चौधरी व बलदेव से पूरन प्रकाश विधायक हैं। ऐसा पहली बार हुआ है कि जिले की पांचों सीटें भाजपा को मिली हैं। मथुरा के विकास पर विधायक श्रीकांत शर्मा ने कहा कि पूरा प्रयास होगा कि यहां पर पर्यटकों की

संख्या बढ़े। ऐसा होने से कारोबार की बढ़ोतरी होगी। प्रति व्यक्ति आय बढ़ेगी और खुशहाली आएगी। उन्होंने कहा कि आने वाले 10 साल मथुरा के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। मजबूत ढांचा तैयार हो चुका है, बहुत सारे विकास कार्य चल रहे हैं, वे आने वाले समय में पूरे हो जाएंगे। बुनियादी चीजें पानी, सड़क व साफ सफाई पर विशेष काम किए जाएंगे। भाजपा विधायक ने कहा कि यहां पर यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए बहुत काम करना है। नियमों का पालन कराने से पहले लोगों को जागरूक करना होगा।

निवर्तमान एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह को राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। फर्जी पते पर शस्त्र लाइसेंस लेने के मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट की तरफ से सात साल की सजा सुनाए जाने के बाद अगले ही दिन प्रभारी जिला जज ने कुंडा के बाहुबली विधायक और पूर्व मंत्री रघुराज प्रताप सिंह राजाभैया के करीबी निवर्तमान एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह गोपालजी को जमानत दे दी। दो-दो लाख रुपये की जमानत राशि कोषागार में जमा कराने के बाद कोर्ट ने उनकी रिहाई का परवाना जेल भेज दिया। शाम को जिला कारागार से उन्हें रिहा कर दिया गया। जेल से बाहर आते ही समर्थकों ने उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया। निवर्तमान एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह गोपालजी को फर्जी पते पर शस्त्र लाइसेंस लेने के मामले में एमपी-एमएलए/ एफटीसी द्वितीय बलरामदास की कोर्ट ने 15 मार्च को दोषी करार दिया था।

» सात साल की सजा पर लगी रोक

आजम खां, उनकी पत्नी तजीन और बेटे अब्दुल्ला के शस्त्र लाइसेंस होंगे निरस्त

» डीएम ने भेजा नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के विधायक आजम खां, उनकी पत्नी निवर्तमान विधायक डॉ. तजीन फात्मा और बेटे विधायक अब्दुल्ला के शस्त्र लाइसेंस अब निरस्त होंगे। इसके लिए पुलिस ने संस्तुति कर जिलाधिकारी को रिपोर्ट भेजी है। जिलाधिकारी ने नोटिस जारी किए हैं। आजम खां पर 87 मुकदमे दर्ज हैं। उनकी पत्नी पर 34 और बेटे पर 43 मुकदमे हैं।

आजम खां दो साल से सीतापुर जेल में बंद हैं, जबकि पत्नी और बेटे जमानत पर बाहर आ चुके हैं। गंज कोतवाली पुलिस आजम खां के शस्त्र लाइसेंस के निरस्तीकरण की पहले ही संस्तुति कर चुकी है। अब पुलिस ने उनकी पत्नी और बेटे पर दर्ज मुकदमों का भी हवाला देते हुए शस्त्र लाइसेंस निरस्तीकरण की संस्तुति रिपोर्ट तैयार की है। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार अब्दुल्ला के बंदूक के दो लाइसेंस है। पुलिस की संस्तुति के आधार पर जिला प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय ने पुलिस की संस्तुति पर शस्त्र निरस्तीकरण का वाद दर्ज कर सुनवाई के लिए नोटिस जारी किए हैं। पुलिस अधीक्षक अंकित मित्तल ने बताया कि आजम खां, अब्दुल्ला आजम और तजीन फात्मा के खिलाफ मुकदमे दर्ज हैं। आपराधिक मामले दर्ज होने की वजह से ही उनके शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने की संस्तुति की गई है। डीएम कोर्ट ने नोटिस जारी किए हैं। जवाब अगर संतोषजनक नहीं होगा तो लाइसेंस निरस्त हो सकते हैं। इसके अलावा कोरोना की तीसरी लहर के चलते पिछले तीन माह से जेल में बंद चल रही मिलाई फिर शुरू हो रही है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

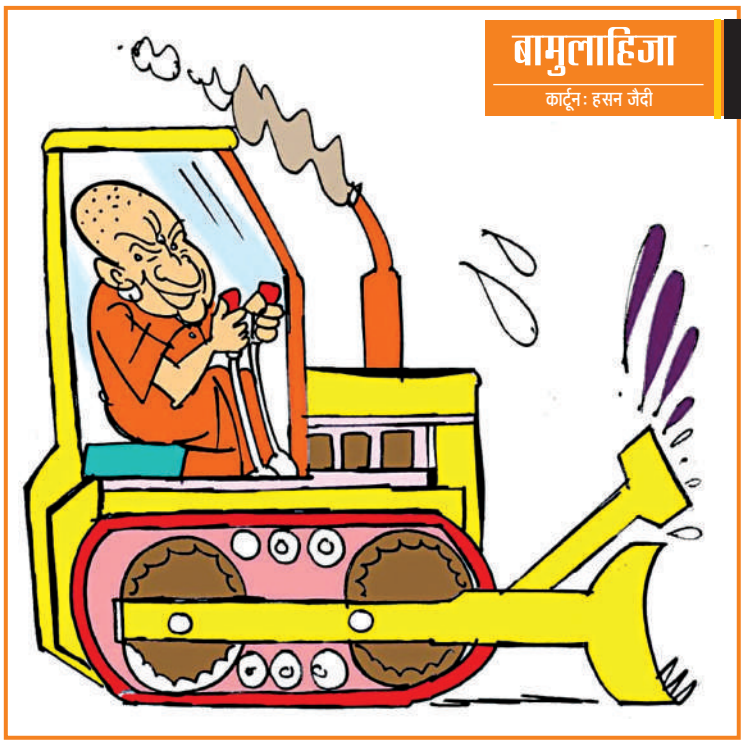

किसानों की आय कम होने पर संसदीय समिति ने जताई चिंता

विभागों की अनुदान मांगों को लोकसभा की मंजूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा ने अगले वित्त वर्ष के बजट में विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों के लिए प्रस्तावित अनुदानों की मांगों एवं उनसे संबंधित विनियोग विधेयक को बिना किसी चर्चा के मंजूरी प्रदान कर दी। इस प्रक्रिया के तहत सरकार को वित्त वर्ष 2022-23 के लिए भारत की संचित निधि से धनराशि निकालने को अधिकृत किया गया है ताकि वह कार्यक्रमों और योजनाओं को लागू करने के लिए उस धन का उपयोग कर सके। बजट की अनुदान मांगों और विनियोग विधेयक को पारित कराए जाने के समय सदन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मौजूद थे।

सदन में इससे पहले रेल मंत्रालय, सड़क परिवहन मंत्रालय, नागर विमानन

मंत्रालय, वाणिज्य मंत्रालय, पोत परिवहन मंत्रालय से संबंधित अनुदान की मांगों पर अलग अलग चर्चा की गई थी। केंद्रीय बजट से संबंधित करीब 100 मंत्रालयों एवं विभागों से जुड़े अनुदानों की बकाया मांगों को एक साथ बिना चर्चा कराए सदन की मंजूरी के लिये रखा गया। सदन ने इस संबंध में कुछ सदस्यों के कटौती प्रस्तावों को नामंजूर करते हुए इसे ध्वनिमत से मंजूरी दे दी। पीटीआइ के मुताबिक 2015-16 से 2018-19 के बीच झारखंड, मध्य प्रदेश, नगालैंड और ओडिशा जैसे राज्यों में किसानों की आय में गिरावट आई है। संसद की एक समिति द्वारा पेश की गई रिपोर्ट में यह बात कही गई है। समिति ने कृषि मंत्रालय को इन राज्यों में किसानों की आय में गिरावट के कारणों का पता लगाने और उसमें सुधार के लिए एक विशेष टीम बनाने को कहा है। खास बात यह है कि यह स्थिति तब है जब राष्ट्रीय सांख्यिकीय संगठन के मुताबिक देश की मासिक कृषि घरेलू आय 8,059 रुपये से बढ़ाकर 10,218 रुपये हो गई है।

उत्तराखंड : अब विभागों के बंटवारे पर नजर

उत्तराखंड सरकार सभी का सहयोग लेते हुए विकास के पथ पर आगे बढ़ेगी

» धामी सरकार में पुरानों को मौका मिलने की अटकलें तेज

» अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक सुविधाएं पहुंचाना सरकार का संकल्प

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। धामी सरकार की नई कैबिनेट में पुराने और नए चेहरों के साथ आठ मंत्री बनाए गए हैं। मंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही विभागों के बंटवारे को लेकर भी कयासबाजी का दौर शुरू हो गया है। अब सबकी नजर विभागों के बंटवारे पर लगी है। संभव है कि अगले कुछ दिनों में विभाग बांट दिए जाएं। धामी सरकार में पुराने मंत्रिमंडल के पांच मंत्रियों को फिर से जगह मिली है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि इन मंत्रियों को पुराने विभागों से ही नवाजा जा सकता है।

सतपाल महाराज को पुन: पर्यटन, लोनिवि संस्कृति, धर्मस्व जैसे विभाग दिए जा सकते हैं। वहीं सुबोध उनियाल, धन सिंह रावत, गणेश जोशी और रेखा आर्य को भी उनके पुराने विभागों की जिम्मेदारी मिल सकती है। वहीं, पिछली विधान सभा के अध्यक्ष रहे प्रेमचंद अग्रवाल को संसदीय कार्य मंत्री का महत्वपूर्ण जिम्मा सौंपा जा सकता है। नए चेहरों के रूप में सौरभ बहुगुणा और चंदन राम दास को भी इस कैबिनेट में शामिल किया गया है। सौरभ को खेल, युवा एवं परिवहन मंत्रालय दिए जाने की संभावना है। वहीं चंदन राम दास को पंचायतीराज, पेयजल एवं ग्रामीण विकास जैसे मंत्रालय दिए जा सकते हैं। शपथ ग्रहण के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सरकार का संकल्प अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति को सुविधा पहुंचाना है। इसके लिए सरकार अंतिम छोर के गांव-गांव व घर-घर तक जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विकास कार्यों को गति देने के लिए कैबिनेट की बैठक बुलाई गई है। यूनिफार्म सिविल कोड लागू करने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जो भी संकल्प लिए गए हैं, उन्हें पूरा किया जाएगा। यह प्रदेश पक्ष-विपक्ष सबका है, सरकार सभी का सहयोग लेते हुए विकास के पथ पर आगे बढ़ेगी। शपथ ग्रहण समारोह के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि वह भाजपा को दो-तिहाई बहुमत से दूसरी बार सरकार बनाने का मौका देने के लिए जनता का आभार व्यक्त करते हैं और उन्हें नमन करते हैं। सरकार का संकल्प राज्य के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक सुविधाएं पहुंचाना है। उत्तराखंड देश का श्रेष्ठ राज्य बने, इसके लिए सरलीकरण, समाधान व निस्तारण के मंत्र के साथ कार्य किया जाएगा। सरकार इस मंत्र को अंगीकार करते हुए पूरी पारदर्शिता के साथ चीजों को सरल करेगी। समस्याओं का भी जो उचित समाधान होगा, उसे किया जाएगा। देहरादून में हुए शपथ ग्रहण समारोह में पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री के रूप में दोबारा शपथ ली है। इस समारोह में 7 विधायकों ने भी मंत्री के रूप में शपथ ली। इसमें सतपाल महाराज, प्रेमचंद्र अग्रवाल, गणेश जोशी, धन सिंह रावत, सुबोध उनियाल, चंदन रामदास और सौरभ बहुगुणा शामिल है। गौरतलब है कि पांच राज्यों के विधान सभा चुनाव में उत्तराखंड में काटे की टक्कर थी और भारतीय जनता पार्टी को उम्मीद नहीं थी कि वह 70 में से 47 सीटें जीतकर राज्य में बड़ी पार्टी के रूप में उभरेगी। कांग्रेस को इस चुनाव में केवल 19 सीटें ही मिली थी।

डबल इंजन की सरकार में दोगुनी तेजी से होंगे काम

धामी सरकार में लगातार दूसरी बार मंत्री पद की शपथ लेने के बाद मीडिया से बात करते सुबोध उनियाल ने कहा कि जनता ने जिस भरोसे के साथ भाजपा को पुन: सत्ता सौंपी है, उसे कायम रखा जाएगा। उन्होंने पुन: मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने पर प्रदेश के साथ ही केंद्रीय नेतृत्व का भी आभार जताया। सुबोध ने कहा कि युवा नेतृत्व धामी के दूसरे कार्यकाल में राज्य की जनता को डबल इंजन की सरकार का दम देखने को मिलेगा।

मिथक तोड़ने वाले पांडेय को नहीं मिली जगह

शिक्षा मंत्री रहते हुए चुनाव न जीत पाने का मिथक तोड़ने वाले विधायक अरविंद पांडेय को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली। पांडेय की उम्मीद प्रदेश मंत्रिमंडल में खाली तीन सीटों पर लगी है।

जो भी जिम्मेदारी मिलेगी उसे बेहतर ढंग से निभाऊंगा

ऋषिकेश विधानसभा सीट से चुनकर आए प्रेमचंद अग्रवाल ने मंत्री पद की शपथ लेने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि उन्हें जो भी जिम्मेदारी मिलेगी, उसे बेहतर ढंग से पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड विधान सभा अध्यक्ष के तौर पर उन्होंने अपने पिछले कार्यकाल को भी बेहतर ढंग से निभाया है। इस बार पार्टी ने उन्हें मंत्री पद से नवाजा है, इसके लिए वह प्रदेश भाजपा और केंद्रीय नेतृत्व का आभार प्रकट करते हैं। उन्होंने कहा कि जनता के काम और प्रदेश का विकास उनकी प्राथमिकता में रहेगा।

नई सरकार के सामने ये है चुनौती

जब किसी पार्टी को जनता सत्ता में रहने के लिए बहुमत देती है, तो उससे कई तरह की उम्मीदें भी होती हैं। उत्तराखंड की जनता भी जीतने वाली पार्टी भाजपा से कई उम्मीदें कर रही है। उत्तराखंड के लोगों का मुख्य मुद्दा पलायन का है। लोग जॉब की तलाश में अपने गांव को छोड़कर शहर जा रहे हैं। उनको अपने क्षेत्र में रोजगार देना या रोजगार की व्यवस्था करना उत्तराखंड सरकार की जिम्मेदारी है। रोजगार के अलावा राज्य में रोड, शिक्षा, स्वास्थ्य, महंगाई जैसी समस्याएं भी हैं, जिसका निवारण वर्तमान की नई सरकार को देना होगा। बता दें कि भाजपा ने 50 हजार सरकारी नौकरी, फ्री सिलेंडर और 5 लाख तक का बीमा जैसे कई वादे किए हैं।

हार के बाद कांग्रेस में मंथन, प्रदेश संगठन में बदलाव पर जोर

» वरिष्ठ नेताओं ने हाईकमान को बतायी हार की वजह

» यूपी विधान सभा में हुई फजीहत से पुराने नेता और कार्यकर्ता चिंतित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी की तमाम कोशिशों के बावजूद उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में पार्टी को संजीवनी नहीं मिल सकी। वह अपने सबसे खराब दौर में रही। चुनाव में महज उसे दो सीटें मिलीं। इसके बाद से कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने हाईकमान से संगठन में बदलाव की जरूरत पर चर्चा की है। साथ ही टीम प्रियंका में शामिल सदस्यों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए।

वरिष्ठ कांग्रेसियों ने हाईकमान के सामने कहा है कि महासचिव प्रियंका गांधी की टीम का विरोध, प्रियंका का विरोध नहीं है इसलिए उन्हें अपने सचिवालय के स्टाफ की गैर मौजूदगी में सीधे कार्यकर्ताओं से मिलना चाहिए। साथ ही संगठन में बड़े बदलाव की जरूरत है। सूत्रों के मुताबिक प्रियंका के राजनीतिक सलाहकार व पार्टी की चार्जशीट कमेटी के प्रमुख आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि अगर उन्हें चार्जशीट देनी हो तो सबसे पहले वे पार्टी को इस स्थिति में पहुंचाने वाले अपने नेताओं को देंगे। जरूरी है कि यूपी चुनाव को सीधे देख रहा पूरा नेतृत्व इस्तीफा दे। कृष्णम और पश्चिम के एक पूर्व विधायक ने यहां तक कहा कि प्रियंका गांधी की टीम के खिलाफ हर जिले के कार्यकर्ताओं में नाराजगी है इसलिए जब प्रियंका कार्यकर्ताओं से मिलें तो इस टीम के लोगों को वहां नहीं होना चाहिए। तभी संगठन को दोबारा खड़ा किया जा सकता है। प्रमोद कृष्णम ने कांग्रेस के मुस्लिम नेताओं को पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ बोलने से भी परहेज करने की सलाह दी। इससे हिंदू वोट का भाजपा के पक्ष में ध्रुवीकरण होता है। पिछले दो-ढाई साल में पार्टी को पूरी तरह से आउटसोर्सिंग पर ला दिया गया। पॉलिटिकल सिस्टम पर स्टाफ के लोग हावी हो गए। प्रदेश सरकार में मंत्री रहे कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने नेतृत्व को यह भी कहा कि जिन लोगों ने यूपी में कांग्रेस के लाखों सदस्य बनाने का दावा किया, उनसे पूछा जाना चाहिए कि वोट सिर्फ 21.51 लाख ही क्यों मिले? उन्होंने संगठन के गठन को फर्जी तक करार दिया। हालांकि नेतृत्व ने उनकी बात से सहमति नहीं जताई। एक नेता ने नाम न छापने के अनुरोध के साथ बताया कि लोक सभा चुनाव से पहले भी स्टाफ के कुछ लोगों ने इसी तरह की स्थिति पैदा की थी। चुनाव के बाद उन्हें हटा दिया गया। शीघ्र ही प्रियंका की टीम के कई सदस्यों की या तो छुट्टी हो सकती है या फिर उनकी भूमिका बदली जाएगी। इनमें कई राष्ट्रीय सचिव भी हैं।

वरिष्ठ नेताओं की हुई उपेक्षा

कुछ नेता तो यहां तक कह रहे हैं कि सोशल मीडिया पेज को प्रमोट करने का काम करने वाले कुछ लोगों को इतनी तरजीह दे दी गई कि वरिष्ठ नेता भी खुद को उपेक्षित महसूस करने लगे। पेड लोगों के दम पर पार्टी को चलाना किसी भी स्थिति में उचित नहीं है।

प्रियंका गांधी से मांगा इस्तीफा

विधान सभा चुनाव परिणाम आने के बाद से जीशान हैदर लगातार प्रियंका गांधी टीम के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। उन्हें प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने छह वर्ष के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है। अब जीशान हैदर ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी से यूपी प्रभारी के पद से इस्तीफे की मांग की है। सोनिया गांधी को भेजे पत्र में उन्होंने कहा कि विधान सभा चुनाव में हार के बाद प्रदेश अध्यक्ष के साथ ही प्रभारी महासचिव के भी इस्तीफा देने की परंपरा रही है। जीशान ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की हार का ठीकरा सिर्फ प्रदेश अध्यक्ष के ऊपर फोड़ना अनुचित है। यूपी की प्रभारी महासचिव प्रियंका गांधी के होने पर प्रदेश अध्यक्ष अपनी मर्जी से एक चतुर्थ श्रेणी कर्मी भी नहीं रख सकते थे। जब भी कांग्रेस विधान सभा चुनाव हारी है, तब प्रभारी व प्रदेश अध्यक्ष दोनों ने इस्तीफा दिया है। वर्ष 2012 के चुनाव में हार के बाद प्रदेश अध्यक्ष रीता बहुगुणा जोशी और प्रभारी दिग्विजय सिंह ने इस्तीफा दिया था। उस चुनाव में मत प्रतिशत के साथ सीटें भी बढ़ी थीं। वर्ष 2017 का चुनाव हारने के बाद राज बब्बर और गुलाम नबी आजाद ने इस्तीफा दिया था। लिहाजा अब भी प्रदेश अध्यक्ष के साथ ही प्रभारी से भी इस्तीफा मांगा जाना चाहिए। उन्होंने पत्र में यह भी लिखा है कि प्रियंका गांधी के प्रभारी रहने पर उनकी वही पुरानी टीम सक्रिय रहेगी, जिनकी वजह से 387 सीटों पर पार्टी की जमानत जब्त हुई है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

नकलविहीन परीक्षा कराने की चुनौती

यूपी बोर्ड की परीक्षा के साथ नकल माफिया फिर सक्रिय हो गए हैं। परीक्षा के पहले ही दिन एक परीक्षा केंद्र में सामूहिक नकल और दूसरे में एक फर्जी छात्र को दूसरे के स्थान पर परीक्षा देते पकड़ा गया। यह स्थिति तब है जब सरकार ने नकलविहीन परीक्षा कराने के लिए तमाम जतन किए हैं और नकल माफियाओं के खिलाफ रासुका में कार्रवाई करने का भी ऐलान किया है।

यूपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षा शुरू हो गयी है। नकलविहीन परीक्षा कराने के लिए तमाम इंतजाम किए गए हैं। सीसीटीवी कैमरे और वायस रिकार्डर के जरिए परीक्षार्थियों की निगरानी की जा रही है। सचल दस्तों का भी गठन किया गया है। बावजूद इसके रायबरेली में एक फर्जी छात्र दूसरे के स्थान पर परीक्षा देते पकड़ा गया है जबकि बलिया के एक केंद्र में सामूहिक नकल की शिकायत मिली है। इस केंद्र को डिबार घोषित करने की संस्तुति की गयी है। ये घटनाएं एक बार फिर शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती हैं। सवाल यह है कि कड़ी निगरानी के बावजूद फर्जी छात्र परीक्षा केंद्र के भीतर कैसे पहुंचा? क्या नकल माफियाओं पर अंकुश लगाने में शिक्षा विभाग नाकाम साबित हुआ है? क्या ऐसी घटनाएं परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता पर सवाल नहीं खड़े करेगा? इस बात की क्या गारंटी है कि अन्य केंद्रों पर इस तरह की घटनाएं नहीं घटी होगी? कड़े कानूनी प्रावधानों के बावजूद लोग फर्जी छात्र बनकर दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने की हिम्मत कैसे कर रहे हैं? क्या बिना कर्मियों के मिलीभगत के ऐसा करना संभव है?

यूपी बोर्ड की परीक्षा के साथ नकल माफिया फिर सक्रिय हो गए हैं। परीक्षा के पहले ही दिन एक परीक्षा केंद्र में सामूहिक नकल और दूसरे में एक फर्जी छात्र को दूसरे के स्थान पर परीक्षा देते पकड़ा गया। यह स्थिति तब है जब सरकार ने नकलविहीन परीक्षा कराने के लिए तमाम जतन किए हैं और नकल माफियाओं के खिलाफ रासुका में कार्रवाई करने का भी ऐलान किया है। दरअसल, प्रदेश में अभी भी नकल माफियाओं का नेटवर्क सक्रिय है। ये परीक्षार्थी को नकल कराने या उनके स्थान पर दूसरे के जरिए परीक्षा दिलाने का भरोसा देकर मोटी रकम वसूलते हैं। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि केंद्र संचालकों और सरकारी कर्मियों की मिलीभगत के बिना परीक्षा में सेंध लगाना मुश्किल है। हैरानी की बात यह है कि तमाम छात्र बिना पढ़े या परीक्षा दिए पास होने के लिए पैसा देने से गुरेज नहीं करते हैं। इससे प्रतिभावान छात्रों को नुकसान होता है। इसके अलावा यह परीक्षा की शुचिता पर भी सवाल खड़े करता है। कड़ी निगरानी के बावजूद नकल हो रही है और नकल माफिया परीक्षा की शुचिता से खिलवाड़ करने में सफल हो रहे हैं। शिक्षा विभाग को चाहिए कि वह परीक्षा की शुचिता को बरकरार रखने के लिए और पुख्ता इंतजाम करे और ऐसे अवांछनीय तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे अन्यथा परीक्षा केवल खानापूर्ति भर बनकर रह जाएगी और छात्रों का परीक्षा से विश्वास उठ जाएगा। यह स्थिति प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था के लिए ठीक नहीं होगी।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जनादेश में छिपा संदेश

अनिल गुप्ता

हाल के पांच राज्यों के विधान सभा चुनावों ने यह निष्कर्ष दिया है कि ये चुनाव परिणाम मंडल-कमंडल की राजनीति से परे जनता में विकास व भरोसे की सरकार बनाने की आकांक्षा जगाने में कामयाब रहे हैं। भाजपा ने अपने परंपरागत वोट बैंक से हटकर विपक्षी दलों के वोट बैंक में भी सेंध लगायी है। जाति की राजनीति करने वाले दल आज हाशिये पर आ गये हैं। इसके चलते भाजपा को न केवल अगड़ी जातियों के ही वोट मिले बल्कि पिछड़ी जातियों व दलित समाज के भी वोट मिले जिन पर अब तक सपा व बसपा दावा करती रही थीं। भाजपा को गैर यादव पिछड़ी जातियों तथा गैर जाटव दलित समाज में पैठ बनाने में मदद मिली। कुल मिलाकर भाजपा के जनाधार में वृद्धि हुई जो वर्ष 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव के लिये उत्साह बढ़ाने में सहायक होगी।

निस्संदेह कांग्रेस पार्टी ने लंबे समय तक केन्द्र के साथ-साथ राज्यों में भी एकछत्र राज किया। आज भाजपा को चुनौती देने वाली कांग्रेस पार्टी हाशिए पर है। हाल में संपन्न विधान सभा चुनावों में पांच में से चार राज्यों में भाजपा की जीत का विशेष महत्व है। 2022 का यह जनादेश 2024 के संसदीय चुनाव की दिशा निर्धारित कर सकता है। इसकी वजह कांग्रेस की निष्क्रियता व बंटा विपक्ष भी है, जो भाजपा के तीसरी बार सत्ता में आने की राह की उम्मीद जगाता है। केंद्र की सत्ता में होने का लाभ भाजपा को चुनाव अभियान में मिलेगा। पार्टी के पास साधन-संसाधनों की कोई कमी नहीं है। पार्टी का कैडर आधारित संगठन हार को जीत में बदलने की ताकत रखता है वहीं नरेंद्र मोदी के रूप में एक सशक्त नेता पार्टी की जीत की राह को आसान बनाता है। भाजपा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं ने अंतिम पायदान पर बैठे आमजन को लाभ पहुंचाया है। मसलन हर घर शौचालय मुहिम, उज्ज्वला योजना, निःशुल्क राशन, जनधन खाते में पैसा आना, किसान निधि सम्मान योजना, आयुष्मान योजना, प्रधानमंत्री आवासीय योजना ने भाजपा की आमजन में स्वीकार्यता बढ़ाई है। देश में आज 18 राज्यों में भाजपा या उसके सहयोगी दलों की सरकार है जबकि 2014 में भाजपा की सात राज्यों में ही सरकार थी। उत्तर में हिमाचल,

उत्तराखंड, यूपी में भाजपा की पकड़ मजबूत है। पश्चिम में राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व महाराष्ट्र में पार्टी का व्यापक जनाधार रहा है। भाजपा दक्षिण में कर्नाटक को छोड़कर काफी कमजोर है। दक्षिण की कुल 135 सीटों में से भाजपा के पास 31 सीटें हैं। कर्नाटक को छोड़कर दक्षिण में भाजपा अपने दम पर 10 सीटें भी नहीं जीत सकती। परंतु अब तेलंगाना में टीआरएस के सामने भाजपा मुख्य विपक्षी दल है व 2024 में भाजपा अपनी सीटों की संख्या बढ़ा सकती है। पूर्व में पश्चिम बंगाल, जहां भाजपा 2019 में एक शक्ति के रूप में उभरी थी व 18 सीटें जीतने में सफल रही थी, वहां उसको नुकसान हो सकता है। उड़ीसा में भी भाजपा की संभावनाएं कम हैं। यहां बीजेडी का प्रभुत्व है। उधर, पूर्वोत्तर क्षेत्र में जहां भाजपा 2014 में बहुत कमजोर थी, वहां लगभग हर राज्य में अब भाजपा की सरकार है व पूर्वोतर में 22 संसदीय सीटों में से 12 पर भाजपा का कब्जा है। 2024 में यह प्रदर्शन दोहराने की उम्मीद है क्योंकि असम में भाजपा एक शक्ति के रूप में उभरी है। दरअसल, विपक्षी क्षेत्रीय पार्टियों के क्षत्रप अपने राज्यों तक सीमिति हैं। उनकी अपने राज्य से बाहर पहचान कम ही है। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली से बाहर निकलकर पंजाब में सत्ता प्राप्त की व केन्द्र की राजनीति में भूमिका बढ़ाने की मंशा जतायी है लेकिन इसके पास देशव्यापी संगठन नहीं है। जहां विपक्षी दल चुनावों से छह महीने पहले मैदान में आते हैं वहां भाजपा सातों दिन, 24 घंटे चुनावों के लिए रणनीतियां तय करती है। पांच राज्यों के चुनाव परिणाम आने के बाद प्रधानमंत्री तुरंत गुजरात पहुंच गए। वे वहां कार्यकर्ताओं से मिले व चुनाव प्रचार का आगाज भी कर दिया।

पक्की बात है कि कांग्रेस का भविष्य छह राज्यों गुजरात, हिमाचल, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं कर्नाटक के आने वाले विधान सभा चुनावों के परिणाम से तय होगा जहां कांग्रेस की भाजपा से सीधी टक्कर है। हां, कर्नाटक में जेडीएस का भी अस्तित्व है। राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार है, यहां कांग्रेस अपना प्रदर्शन दोहरा पाएगी ये तो आने वाला वक्त बताएगा। भाजपा को अपने शासित राज्यों में जनता की समस्याओं पर गंभीर मंथन करना होगा। उन्होंने मोदी-योगी पर भरोसा जताया है। निस्संदेह, आज ब्रांड मोदी के सामने विपक्ष का कोई सर्वमान्य नेता दिखाई नहीं देता। कांग्रेस के नेतृत्व में किसी किसी विपक्षी गठबंधन की उम्मीदें कम ही हैं। वजह यह भी है कि भाजपा व कांग्रेस की 200 सीटों पर सीधी टक्कर है। वहीं विपक्षी नेताओं की प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा महागठबंधन में बाधक है। 2022 का जनादेश 2024 की तस्वीर दिखाता है।

हिंद-प्रशांत में बढ़ता सहयोग और भारत

अनिल त्रिगुणायत

पिछले कुछ समय से ऑस्ट्रेलिया के साथ हमारे संबंध प्रगाढ़ हुए हैं। दोनों देशों के बीच राजनीतिक साझेदारी का निरंतर विस्तार हो रहा है। इस पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री मोदी और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन की शिखर वार्ता का महत्व बढ़ जाता है। दोनों नेताओं ने स्वाभाविक रूप से यूक्रेन प्रकरण पर चर्चा की है। प्रधानमंत्री मॉरिसन ने खुले तौर पर रूस-यूक्रेन संकट पर भारतीय रुख का समर्थन किया है और कहा है कि वे इसका सम्मान करते हैं। ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका सुरक्षा और रणनीतिक साझेदार हैं और भू-राजनीतिक मामलों में उनकी राय समान होती है। ऐसे में उनका यह कहना कि वे भारत के रुख को समझते हैं, बड़ी बात है। रूस और जापान के बाद ऑस्ट्रेलिया तीसरा ऐसा देश है, जिसके साथ हमने वार्षिक शिखर सम्मेलन करने का समझौता किया है।

रणनीतिक सहकार को बढ़ाने के लिए एक विशिष्ट केंद्र खोलने पर सहमति बनी है। अहम तकनीक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर जोर तथा एक-दूसरे के शैक्षणिक संस्थानों की डिग्रियों को मान्यता देने का निर्णय भी उल्लेखनीय है। भारतीय प्रवासियों की सुविधाएं बेहतर करने के लिए 28 मिलियन डॉलर के आवंटन तथा उनकी समस्याओं के समाधान की विशेष व्यवस्था करने की घोषणा भी महत्वपूर्ण है। कुछ साल पहले वहां भारतीय लोगों के विरुद्ध नस्लभेद और नफरत आधारित अपराधों की संख्या बढ़ गयी थी तथा दोनों देशों के संबंधों में खटास आ गयी थी। उससे पहले जब भारत ने परमाणु परीक्षण किया था तो ऑस्ट्रेलिया ने भी प्रतिबंध लगाया था। उस दौर से आज द्विपक्षीय संबंधों में व्यापक परिवर्तन आया है। आर्थिक और वित्तीय भागीदारी को ठोस आधार देने के लिए भी वार्षिक बैठक करने पर सहमति बनी है। अत्याधुनिक तकनीक और रेयर अर्थ मैटिरियल के मामले में ऑस्ट्रेलिया बहुत समृद्ध है। इन क्षेत्रों में भी लेन-देन को प्रमुखता दी गयी है। मेरा मानना है कि दोनों प्रधानमंत्रियों की बातचीत में द्विपक्षीय संबंधों को नया आयाम दिया गया है। प्रधानमंत्री मॉरिसन प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व और नेतृत्व के प्रशंसक हैं। दोनों नेताओं के व्यक्तिगत समीकरण से भी परस्पर साझेदारी को आधार मिला है।

ऑस्ट्रेलिया और जापान क्वाड समूह के अहम सदस्य हैं तथा उनके आर्थिक हित भी भारत से जुड़े हैं। महामारी की रोकथाम के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों को वैक्सीन आपूर्ति करने के बारे में पहले ही फैसला किया जा चुका है, जिसे हालिया बैठकों से मजबूती मिलने की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया की ओर से यह कोशिश रही है कि दोनों देशों के बीच जो कठिन मसले हैं या विचारों की भिन्नता है, उन्हें अनावश्यक तूल न दिया जाए तथा सकारात्मक सहयोग को केंद्र में रखा जाए। इस संदर्भ में पिछले दिनों हुए जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के भारत दौरे के महत्व को भी रेखांकित किया जाना चाहिए। मेरी समझ से भारत और जापान के बीच एक विशिष्ट सहभागिता है। उनके साथ हमारा रणनीतिक संबंध नहीं है। वह रूस के बाद दूसरा ऐसा देश है, जिसके साथ हमारा वार्षिक शिखर बैठक करने का समझौता है।

वर्ष 2019 में तत्कालीन प्रधानमंत्री शिंजो आबे को इस आयोजन के लिए भारत आना था, पर उसे स्थानीय कारणों से स्थगित करना पड़ा था। उससे बाद महामारी की वजह से दो साल बैठकें नहीं हो सकीं। प्रधानमंत्री किशिदा की किसी देश में यह पहली द्विपक्षीय यात्रा है। इससे स्पष्ट है कि जापान और भारत का एक-दूसरे के लिए कितना महत्व है। जापान दुनिया के बड़े निवेशक देशों में है। भारत में अन्य निवेशों के अलावा अंडमान-निकोबार और पूर्वोत्तर में उनके सहयोग से बड़ी परियोजनाएं चल रही हैं। श्रीलंका में बंदरगाह से जुड़ी एक परियोजना में भी दोनों देश भागीदार हैं। एशिया-अफ्रीका गलियारा बनाने की दिशा में भी विभिन्न देशों के साथ बातचीत हो रही है। इस दौरे में परस्पर संबंधों को ठोस बनाते हुए टू प्लस टू व्यवस्था की गयी है, जिसके तहत दोनों देशों के मंत्रियों की नियमित बैठक हुआ करेगी। पहले ऐसी बैठकें सचिव स्तर पर होती थीं। प्रधानमंत्री किशिदा के दौरे की एक बहुत बड़ी बात यह रही है कि उन्होंने भारत विरोधी आतंकी घटनाओं के प्रायोजक के रूप में स्पष्ट रूप से पाकिस्तान का नाम लिया और पाकिस्तान से इस संबंध में कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने आगामी पांच सालों में 42 अरब डॉलर का निवेश करने की घोषणा भी की है। भारत की तरह ऑस्ट्रेलिया और जापान भी यह मानते हैं कि चीन बड़ा खतरा है तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में दादागिरी ठीक नहीं है। तीनों देश चाहते हैं कि इस क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता बहाल रहे। इन देशों के पास संसाधन और वित्त हैं, इसलिए भारत के लिए भी इनका बड़ा महत्व है। हरित ऊर्जा और हरित गलियारे जैसे क्षेत्रों में वे काफी विकसित हैं। ये देश भारत को एक विशिष्ट लोकतंत्र तो मानते ही हैं, साथ ही वे इसे बड़ा अवसर भी मानते हैं। क्वाड समूह की पिछली शिखर बैठक में भारत ने यूक्रेन को लेकर अपनी राय स्पष्ट रूप से रखी थी।

भारत का रुख उसकी नीतियों और सिद्धांतों के अनुरूप है। भारत शांति, संवाद, सुरक्षा, क्षेत्रीय अखंडता और कूटनीति का हमेशा पक्षधर रहा है। यही रुख यूक्रेन मसले पर भी है। जो देश यह चाहते हैं कि हम रूस की निंदा करें और उससे नाता तोड़ लें, उन्हें यह समझना चाहिए कि ऐसा करने से किसी का भला नहीं होगा। भारत को अपनी शक्ति व संभावना बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

इन आसान टिप्स से दूर करें करेले की कड़वाहट

दही में भिगोकर रखें

दही सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है लेकिन क्या आप जानते हैं कि दही में मौजूद तत्व करेले की कड़वाहट को कम करने में भी मददगार होते हैं। करेले की कड़वाहट को दूर करने के लिए उन्हें बनाने से पहले छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर कम से कम एक घंटे तक उन्हें दही में भिगोकर रख दें। ऐसा करने से खाते वक्त करेले की सब्जी में कड़वापन महसूस नहीं होगा।

करेला सेहत के लिहाज से बेहद फायदेमंद सब्जी है। हालांकि करेले का नाम सुनते ही कई लोगों की नाक भौं सिकुड़ने लगी है। इसके पीछे की वजह भी वाजिब है। दरअसल, करेला अपने कड़वेपन की वजह से कई लोगों को नापसंद होता है। बच्चे तो क्या बड़े भी करेले से दूरी बनाना पसंद करते हैं। जबकि करेला डायबिटीज, खून साफ करना सहित कई अन्य बीमारियों में बेहद लाभ पहुंचाता है। आज भी अगर करेले के कड़वेपन की वजह से इससे दूरी बनाकर रखे हुए हैं तो आज हम आपको करेले का कड़वापन दूर करने के कुछ आसान टिप्स बताएंगे। इन टिप्स को फॉलो कर आप न सिर्फ करेले का कड़वापन दूर कर सकते हैं, बल्कि पौष्टिकता से भरपूर करेले की सब्जी का आसानी से मज़ा उठा सकते हैं।

नमक लगाकर रखें

करेला औषधीय गुणों से भरपूर होता है लेकिन सिर्फ इसके कड़वेपन की वजह से इससे लोग दूरी बनाकर रखते हैं। आप अगर करेले की सब्जी उसकी कड़वाहट को दूर कर बनाना चाहते हैं तो इसके लिए करेले को काटकर रातभर के लिए उसमें नमक लगाकर रख दें। करेले बनाने के पहले करेले अच्छी तरह से धो लें और फिर उसकी सब्जी बनाएं। करेले की कड़वाहट बहुत हद तक दूर हो जाएगी।

करेले के ऊपर का छिलका उतार लें

करेले का सबसे ज्यादा कड़वापन उसके ऊपरी छिलके में होता है। ऐसे में करेले का कड़वापन दूर करने के लिए उसके ऊपर के छिलके को छील लें। हालांकि इस बात का ध्यान रखें कि उन्हें फेंकना नहीं है, क्योंकि इस छिलके में भी काफी पोषक तत्व होते हैं। इन्हें नमक लगाकर कुछ वक्त के लिए धूप में सुखा दें। इसके बाद भरवां करेले बनाते समय इन्हें मसाले के साथ फाई कर लें। आपका करेला स्वादिष्ट बनेगा और कड़वापन भी खत्म हो जाएगा।

सौंफ व प्याज

करेले की सब्जी का कड़वापन कुछ हद तक उसमें अलग-अलग मसालों का प्रयोग कर भी किया जा सकता है। आप अगर करेले की सादी सब्जी बनाते हैं तो इस बार सादी सब्जी बनाने के बजाय उसमें प्याज, सौंफ या मूंगफली का इस्तेमाल करें। सब्जी में इन चीजों के प्रयोग से करेले के कड़वेपन को कम करने में मदद मिलती है।

हंसना मना है

पति- आज खाना सासू मां ने बनाया है क्या? पत्नी- वाह कैसे पहचाना। पति- जब तुम बनाती थी तो काले बाल निकलते थे... आज सफेद निकला है।

टीचर- लड़कियां अगर पराया धन होती है तो लड़के क्या होते हैं? सोनू- सर लड़के चोर होते हैं। टीचर- वह कैसे? क्योंकि चोरों की नजर हमेशा पराए धन पर होती है।

एक आदमी खड़े खड़े चाबी से अपना कान खुजा रहा था। दूसरा आदमी पास जाकर बोला: भाई अगर तू स्टार्ट नहीं हो पा रहा है तो धक्का लगाऊं क्या?

एक ऑटो वाले की शादी हो रही थी जब उसकी दुल्हन फेरों के वक्त उसके पास बैठी तो वह बोला, थोड़ा पास होकर बैठो, अभी एक और बैठ सकती है फिर क्या था मण्डप मे ही, दे चप्पल दे चप्पल।

परीक्षा में एक छात्र कॉपी पर फूल बना रहा था। टीचर - यह क्या कर रहे हो? फूल क्यों बना रहे हो? छात्र - सर, यह फूल मेरी याद्दाश्त को समर्पित है, जो अभी-अभी गुजर गई...

कौन कहता है औरतें अपनी गलती नहीं मानती, मेरी वाली तो रोज कहती है कि गलती हो गयी तुमसे शादी करके।

कहानी | बहरे मेंढक की कहानी

एक तालाब में बहुत सारे मेंढक रहते थे। उस तालाब के ठीक बीचोंबीच एक बडा-सा लोहे का खम्बा वहां के राजा ने लगवाया हुआ था। एक दिन तालाब के मेंढको ने निश्चय किया कि क्यों ना इस खम्भे पर चढ़ने के लिए रेस लगाई जाय, जो भी इस खंभे पर चढ़ जायेगा, उसको प्रतियोगिता का विजेता माना जायेगा। रेस का दिन निश्चित किया गया। कुछ दिनों बाद रेस का दिन आ गया। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए वहां कई मेढ़क एकत्रित हुए, पास के तालाब से भी कई मेंढक रेस में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे हुए थे, और प्रतियोगिता को देखने के लिए भी बहुत सारे मेंढक वहां एकत्रित हुए। रेस का आरंभ हुआ, चारों ओर शोर ही शोर था। सब उस लोहे के बड़े से खम्भे को देख कर कहने लगे अरे इस पर चढ़ना नामुमकिन है इसे तो कोई भी नहीं कर पायेगा। इस खम्भे पर तो चढ़ा ही नहीं जा सकता। कभी कोई यह रेस पूरी नहीं कर पाएगा, और ऐसा हो भी रहा था, जो भी मेंढक खम्भे पर चढ़ने का प्रयास करता, वो खम्भे के चिकने एवं काफी ऊँचा होने के कारण थोड़ा सा ऊपर जाकर नीचे गिर जाता। बार बार कोशिश करने के बाद भी कोई ऊपर खम्भे पर नहीं पहुंच पा रहा था। अब तक काफी मेंढक हार मान गए थे, और कई मेंढ़क गिरने के बाद भी अपनी कोशिश जारी रखे हुए थे। इसके साथ-साथ अभी भी रेस देखने आए मेंढक जोर-जोर से चिल्लाए जा रहे थे अरे यह नहीं हो सकता। यह असंभव है कोई इतने ऊँचे खम्भे पर चढ़ ही नहीं सकता। आदि, और ऐसा बार बार सुन सुन कर काफी मेंढक हार मान बैठे और उन्होंने भी प्रयास करना छोड़ दिया। और अब वो भी उन मेंढको का साथ देने लगे जो जोर-जोर से चिल्लाने लगे। लेकिन उन्ही मे से एक छोटा मेंढक लगातार कोशिश करने के कारण खम्भे पर जा पंहुचा, हालाँकि वो भी काफी बार गिरा, उठा, प्रयास किया तब कही जाकर वो सफलता पूर्वक खम्भे पर पहुंचा। और रेस का विजेता घोषित किया गया। उसको विजेता देखकर, मेंढकों ने उसकी सफलता का कारण पूछा की यह असंभव कार्य तुमने कैसे किया, यह तो नामुमकिन था, यहाँ सफलता कैसे प्राप्त की, कृपया हमे भी बताए। तभी पीछे से एक मेंढक की आवाज आयी अरे उससे क्या पूछते हो वो तो बहरा है। फिर भी मेढको ने विजेता मेंढक से पता करने के लिए एक ऐसे मेढक की मदद ली, जो उसकी सफलता का कारण जान सके, विजेता मेंढक ने बताया की मैं बहरा हूँ। मुझे सुनाई नही देता, लेकिन जब आप लोग जोर-जोर से चिल्ला रहे थे, तो मुझे लगा जैसे आप मुझसे कह रहे हो की यह तुम कर सकते हो, यह तुम्हारे लिए मुमकिन है इन्ही शब्दों ने मुझे सफलता दिलाई है।

5 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आपका पार्टनर आपके बिगड़े मूड को अपने मिजाज से खुशनुमा बना देगा। वाद-विवाद से बचें। रिश्तों में तनाव ना आएं इसका ध्यान रखें। पार्टनर से प्यार मिलेगा।

वृषभ पार्टनर से गलतफहमी के चलते संबंध खराब हो सकते हैं। बिगड़े रिश्तों में मधुरता लाने का प्रयास करें। सोच-समझकर कोई कदम उठाएं। प्यार में बाधा आ सकती है।

मिथुन पुरानी चिंताओं से मुक्ति मिलेगी। पार्टनर की ओर से प्यार मिलेगा। पार्टनर से किसी बात को मनवाने का दबाव ना बनाएं। पार्टनर की तलाश पूरी हो सकती है।

कर्क पार्टनर की किसी बात से परेशान हो सकते हैं। तनाव दूर करने के लिए दोस्तों से मुलाकात कर सकते हैं। लव-लाइफ के लिए आज का दिन ठीक रहेगा। सिंगल लोगों को पार्टनर मिल सकता है।

सिंह अविवाहित लोगों की शादी की बात चल सकती है। आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप लंबे समय तक चल सकती है। आज सिंगल लोगों को पार्टनर मिल सकता है।

कन्या पति-पत्नी के बीच सब ठीक रहेगा। पार्टनर की तरफ आपको भरपूर प्यार मिलेगा। अपने मन की बात पार्टनर के साथ शेयर कर सकते हैं। आज के दिन प्यार का इजहार कर सकते हैं।

तुला पार्टनर के साथ शारीरिक संबंध बनाएंगे। आज आपको लगेगा कि आपका पार्टनर केवल निजी फायदे के लिए आपका इस्तेमाल कर रहा है ना कि वह भावनात्मक रूप से जुड़ा है।

वृश्चिक आज आपको पार्टनर से रोमांस करने का मौका मिल सकता है। पति-पत्नी के बीच प्यार बना रहेगा। अपनी भावनाएं पार्टनर के साथ शेयर कर सकते हैं।

धनु आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप लंबी चल सकती है। प्रेमी के साथ घूमने जा सकते हैं। आकस्मिक मुलाकात आपके लिए यादगार साबित होगी। पार्टनर की सेहत का ख्याल रखें।

मकर पार्टनर के साथ ज्यादा समय बिताने की कोशिश करें। पति-पत्नी के बीच प्यार रहेगा। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। उनके लिए आज का दिन अनुकूल है।

कुम्भ सिंगल लोग भी अपने दोस्तों के साथ मस्ती करेंगे। प्रेमी की सेहत को लेकर चिंता रहेगी। अपनी पार्टनर को कविता लिखें इससे आपको बहुत फायदा होगा।

मीन पति-पत्नी के बीच मन-मुटाव हो सकता है। सिंगल लोगों को पार्टनर मिल सकता है। किसी को प्रपोज करने की सोच रहे हैं तो आपके लिए समय अच्छा है।

बालीवुड | मन की बात

अमिताभ बच्चन ने अभिषेक को बताया अपना सच्चा उत्तराधिकारी

अमिताभ बच्चन ने बीती रात अपने बेटे अभिषेक बच्चन की सराहना करते हुए एक भावनात्मक ब्लॉग लिखा। दासवी के ट्रेलर की रिलीज के साथ, अभिषेक को बहुत प्यार मिल रहा है और बिग बी ने यह भी जताया कि उनके बेटे ने साबित कर दिया है कि वह एक उपयुक्त उत्तराधिकारी है। सदी के महानायक ने अपने ब्लॉग में लिखा...एक पिता के लिए सबसे बड़ी खुशी अपने बच्चों की उपलब्धियों को देखना है .. उनके नाम की प्रसिद्धि का स्वाद लेना .. अभिषेक के पिता के रूप में पहचाना जाना... और अभिषेक ने इसे मेरे लिए सारांशित किया.. अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग पर लिखा और अपने पिता की कविता वसियतनामा, वसीयत की विरासत से एक पंक्ति भी साझा की। बिग बी ने आगे लिखा, मैं बहुत गर्व के साथ कहता हूं कि अभिषेक मेरे उत्तराधिकारी हैं.. उनके निरंतर प्रयास, अलग-अलग भूमिकाओं को करने और कठिन भूमिकाएं निभाने की हिम्मत, केवल एक चुनौती नहीं है, बल्कि एक आईना है। सिनेमा की दुनिया, एक अभिनेता के रूप में उनकी क्षमता और उनके लिए उनकी विश्वसनीयता और दृढ़ता को आत्मसात करने के लिए! अभिषेक बच्चन पर निशाना साधने वालों को करारा जवाब देते हुए बिग बी ने लिखा, वे जो किसी विषय पर अपनी अक्षमता के लिए दूसरे की आलोचना और उपहास करते हैं, ऐसा इसलिए करते हैं, क्योंकि उनके पास खुद विषय की पर्याप्त जानकारी नहीं होती। बता दें कि बॉलीवुड में फिल्म रिफ्यूजी से अभिषेक बच्चन ने डेब्यू किया था। तब से लेकर आज तक लोग उन्हें उनके पिता अमिताभ बच्चन से कम्पेयर करते हैं। हालांकि अभिषेक कई बार कह चुके हैं कि पिता से मेरी तुलना करना मेरे साथ अन्याय है, क्योंकि वो एक महानायक हैं। तुषार जलोटा द्वारा निर्देशित दासवी अभिषेक, यामी गौतम और निम्रत कौर अभिनीत एक सामाजिक नाटक है।

बेटी के कातिलों की तलाश में 'माई' साक्षी तंवर

बॉलीवुड | ट्रेलर

नेटफ्लिक्स ने अपनी अपकमिंग वेब सीरीज माई का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। यह एक सस्पेंस-थ्रिलर वेब सीरीज है, जिसे अनुष्का शर्मा के भाई कर्णेश शर्मा की प्रोडक्शन कम्पनी क्लीन स्लेट्ज ने प्रोड्यूस किया है। अनुष्का ने कुछ दिनों पहले ही इस प्रोडक्शन कम्पनी से अलग होने का एलान किया था। माई में साक्षी तंवर मुख्य भूमिका में हैं, जबकि राइमा सेन और वामिका गब्बी समेत कई जाने-माने चेहरे अहम भूमिकाओं में दिखेंगे।

साक्षी एक ऐसी मां की भूमिका में हैं, जो अपनी बेटी के कातिलों की तलाश में निकली है। उसे इस सवाल का जवाब चाहिए कि उसकी बेटी को आखिर क्यों मारा गया? ट्रेलर की शुरुआत में दिखाते हैं कि बेटी बनी वामिका गब्बी को एक ट्रक साक्षी की आंखों के सामने रौंदते हुए निकल जाता है। बेटी के कातिलों की तलाश करते हुए साक्षी को धमकियां मिलती हैं। उसे आगे बढ़ने से रोकने के लिए हतोत्साहित किया जाता है। जानलेवा हमले किये जाते हैं। ट्रेलर कहानी के लिए उत्सुकता जगाने में कामयाब रहता है और सीरीज के लिए बेकरारी बढ़ाता है। ट्रेलर में साक्षी बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आती हैं। उनके कैरेक्टर की कई परतें हैं। साक्षी ने अब तक जितने किरदार निभाये हैं, यह उन भूमिकाओं से अलग है। साक्षी इससे पहले ऑल्ट बालाजी की कर ले तू भी मोहब्बत, जी5 की द फाइनल कॉल और ऑल्ट बालाजी-जी5 की मिशन ओवर मार्स वेब सीरीज में नजर आ चुकी हैं। साक्षी अब डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी की फिल्म पृथ्वीराज में एक भूमिका में दिखेंगी, जिसमें अक्षय कुमार लीड रोल में हैं। इससे पहले द्विवेदी की फिल्म मोहल्ला अस्सी में साक्षी ने सनी देओल के किरदार की पत्नी का किरदार निभाया था। वहीं, वामिका डिज्नी प्लस हॉटस्टार की सीरीज ग्रहण से चर्चा में आयी थीं और नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हुई फिल्म 83 में भी वो एक किरदार में नजर आयी हैं।

'फायर' निकली राजामौली की RRR

मेगनम ओपस फिल्म RRR लंबे समय के इंतजार के बाद आखिरकार रिलीज हो गई है। एसएस राजामौली के डायरेक्शन में बनी ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर गदर मचाएगी या डब्बा गोल होगी, इसका अंदाजा आप फिल्म को सोशल मीडिया पर मिल रहे रिव्यू से लगा सकते हैं। बाहुबली 2 के बाद राजामौली की ये पहली फिल्म है, ये भी अहम वजह है कि मूवी को लेकर लोगों में जबरदस्त बज है। फिल्म के कई भाषाओं में रिलीज किया गया है।

कैसी है RRR?

RRR में बॉलीवुड बिगीज अजय देवगन और आलिया भट्ट ने भी अहम भूमिका निभाई है। साउथ से लेकर बॉलीवुड तक के सितारों से भरी ये फिल्म लोगों को कैसी लग रही है? शुरुआती रिएक्शन देखें तो लोगों को राजामौली की फिल्म पसंद आ रही है। कई लोग ऐसे भी हैं जिन्होंने राजामौली की RRR को बाहुबली से बेहतर बताया है। लोगों का कहना है कि RRR मास्टरपीस है। एक यूजर ने इसे टॉलीवुड की बेस्ट फिल्मों में से एक बताया है। लोग RRR को माइंडब्लोइंग फिल्म बता रहे हैं। यूजर्स ने इसे 5 स्टार दिए हैं। राजामौली के डायरेक्शन और कलाकारों की एक्टिंग की तारीफ हो रही है। एक यूजर इस बात को लेकर चौंका है कि मूवी के इंटरवल में लोगों ने इसे स्टैंडिंग ओवेशन दिया। पहले सीन से आखिरी सीन तक फिल्म शानदार कही जा रही है। लोग सीटियां मार रहे हैं। तो किसी के फिल्म देखकर रोंगटे खड़े हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि RRR इंडियन बॉक्स ऑफिस के लिए एक सलिब्रेशन है। एनटीआर और रामचरण की केमिस्ट्री,

परफॉर्मेंस और स्क्रीन प्रेजेंस कमाल की है। फर्स्ट हाफ को हाई इमोशनल ड्रामा और क्लाइमेक्स को सुपर बताया है। एपिक पीरियड एक्शन ड्रामा को केवी विजयेंद्र प्रसाद ने लिखा है। ये कहानी है दो भारतीय क्रांतिकारियों की। अल्लूरी सीताराम राजू और कोमाराम भीम ने ब्रिटिश राज-हैदराबाद के निजाम के खिलाफ जंग लड़ी थी। ये एक फिक्शन ड्रामा है। जो 1920 पर सेट है। फिल्म भीम और अल्लूरी की जिंदगी से इंस्पायर है। फिल्म को मिल रहे लोगों के एपिक रिएक्शन को देख लगता है RRR बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने वाली है।

अजब-गजब | हीरे की खदान का रहस्य

आसमान में उड़ती चिड़िया से लेकर प्लेन तक को निगल जाती है यह खदान !

रूस में एक एक ऐसा गांव हैं, जहां एक रहस्यमयी हीरे की खदान मौजूद है। यह हीरे की खदान साइबेरियन प्रांत में है। यह खदान कभी हीरे उगलती थी लेकिन अब लोग इसके आस—पास भी जाने से डरते हैं। दरअसल, यह हीरे की खदान इसके ऊपर 1000 फीट की ऊंचाई या इससे नीचे उड़ने वाली हर चीज को निगल जाती है। यह रहस्यमयी हीरे की खदान रूस के मर्नी गांव में है। यह खदान बहुत बड़ी है। रिपोर्ट के अनुसार, यह हीरे की खदान करीब 1722 फीट गहरी और 3900 फीट व्यास वाला एक बड़ा का गड्ढा है। यह आर्कटिक सर्कल से 280 मील की दूरी पर स्थित है। यह दुनिया के कुछ सबसे बड़े गड्ढों में शुमार है। यहां कभी रहस्यमय तरीके से कीमती हीरे बाहर आते रहते थे। दूसरे वर्ल्ड वॉर के बाद जब रूस फिर से खड़ा होने की कोशिश कर रहा था तो एक जियोलॉजिस्ट टीम ने यहां हीरे मिलने की संभावना जताई थी। स्टालिन के आदेश पर यहां 1957 में खुदाई शुरू की गई। हालांकि इसमें बड़ी परेशानी आई क्योंकि यहां ठंड बहुत अधिक थी। 1960 में यहां से हीरे निकलने लगे। यहां कई बेशकीमती

हीरे निकले हैं। रिपोर्ट के अनुसार यहां 10 साल में करीब 1 करोड़ कैरेट के डायमंड हर साल निकले। इसमें से कुछ 342.57 कैरेट के लेमन यलो डायमंड थे। यहां की डायमंड कंपनी ने अरबों-खरबों के हीरे निकाले। वहीं साल 2004 में आई बाढ़ के बाद यह खान अचानक बंद हो गई। बाढ़ के बाद यह हीरे की खान सालों तक बंद रही है। इस दौरान छोटे-मोटे एयरक्राफ्ट और हेलीकॉप्टर्स अंदर की तरफ खिंच जाते थे। यह खान 1000 फीट से नीचे उड़ती हर चीज को निगल लेती थी। इसी वजह से यहां एयरस्पेस को बंद कर दिया गया। कहते हैं कि ठंडी हवा के गर्म हवा से मिलने की वजह से ये शक्तिशाली आकर्षण बनता है, जिससे कोई भी चीज अंदर गुम हो जाती है। इसके बाद साल 2009 में एक बार फिर खान को खोला गयां हालांकि साल 2017 में एक बार फिर आई बाढ़ की वजह से यहां सैकड़ों मजदूरों की जान चली गई। इसकी वजह भी खादान की रहस्यमय शक्ति ही बताई जाती है।

यूक्रेन की वो ताकतवर महिला यूलिया तेमोसेंकोवा, जिससे कांपता था रूस

रूस-यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध खत्म होता नहीं दिख रहा है। रूसी सेना यूक्रेन के कई शहरों में भीषण हमले कर रही है। इन हमलों में यूक्रेन को भारी नुकसान हुआ है। रूस के इस हमले का यूक्रेन कड़ा प्रतिरोध कर रहा है। रूस ने कभी नहीं सोचा होगा कि उसके सामने यूक्रेन इतने दिन तक टिकेगा। इस जंग में रूस के सामने यूक्रेन झुकने को तैयार नहीं है। अब इस युद्ध के बीच यूक्रेन में लोग एक ताकतवार महिला को याद कर रहे हैं। यह महिला अपने शासन में रूस से कभी नहीं डरीं। इनका नाम यूलिया तेमोसेंकोवा है जो यूक्रेन की पहली महिला प्रधानमंत्री थीं। यूलिया तेमोसेंकोवा ने रूस का हर मोर्चे पर सामना किया और उसको करारा जवाब दिया। यूक्रेन के लोगों के मुताबिक, इस समय यूक्रेन में रूस घुसकर हमला कर रहा है, लेकिन यूलिया तेमोसेंकोवा रूस से कभी नहीं डरीं। जानकारों का कहना है कि शायद यूलिया तेमोसेंकोवा के हाथों में यूक्रेन की सत्ता होती तो यह दिन कभी नहीं आता। यूक्रेन की प्रधानमंत्री रहते हुए यूलिया ने रूस को हमेशा सख्त जवाब दिया और वह कभी नहीं डरीं। उनके कार्यकाल के दौरान यूक्रेन की एक इंच जमीन पर रूस कब्जा नहीं कर पाया। बताया जाता है कि वह इतनी सख्त थीं कि रूस जैसा देश उनसे डरता था। गैस क्वीन के नाम से भी यूलिया जानी जाती हैं। वह यूक्रेन की सफल उद्यमी महिलाओं में शामिल थीं। वह बड़े स्तर पर गैस का व्यापार करती थीं जिसकी वजह से उनको गैस क्वीन का नाम मिला। यूक्रेन की दो बार प्रधानमंत्री रहीं यूलिया को साल 2005 में पहली बार प्रधानमंत्री की कुर्सी मिली और इसके बाद वह 2007 से 2010 तक यूक्रेन की प्रधानमंत्री रहीं। यूक्रेन की प्रधानमंत्री बनने से पहले वह साल 2004 में देश के राष्ट्रपति विक्टर यूश्नकोव के खिलाफ ऑरेंज रिवोल्यूशन मुहिम में शामिल हुई थीं। कहा जाता है कि 2004 में राष्ट्रपति चुनाव जीतने वाले विक्टर यूश्नकोव रूस के समर्थक थे। यूलिया और विपक्ष के नेताओं ने उन पर चुनाव में धांधली का आरोप लगाया था।

सड़क हादसों में दो बच्चों समेत चार की मौत, दो जखमी

» बरेली में पेड़ से टकरायी बाइक
» मेरठ में छात्र को कार ने रौंदा
» कार चालक फरार, मामले की जांच कर रही पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बरेली। प्रदेश में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गयी जबकि दो लोग जख्मी हो गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

शाहबाद की ढकिया चौकी क्षेत्र के गांव ओसी निवासी भूरे की बरेली के विसारतगंज के गांव जलालगंज में ससुराल है। भूरे का परिवार शादी सामरोह में शरीक होने के लिए ससुराल गया था। पूरा परिवार गुरुवार को बाइक पर सवार होकर ओसी लौट रहा था। बाइक को भूरे चला रहा था। उसके अलावा उसकी पत्नी फरजाना (30 वर्ष), बड़ा बेटा निदान (9वर्ष), बेटी अक्सा (7 वर्ष) और सबसे छोटा बेटा असनान उर्फ अर्श (4 वर्ष) भी साथ थे। रास्ते में सिरौली थाना क्षेत्र के गांव गुड़गांव के पास तेज रफ्तार बाइक की टंकी पर रखा बैग हैंडल में फंस गया, जिससे बाइक अनियंत्रित हो गई और सामने पेड़ से टकराने के

बाद उछलकर खाई में जा गिरी। हादसे की सूचना मिलने के बाद बरेली पहुंचे ओसी के ग्राम प्रधान अफजाल ने बताया कि हादसे में भूरे, बेटा निदान और बेटी अक्सा की मौत हो गई जबकि पत्नी फरजाना और छोटा बेटा असनान गंभीर घायल हो गए। हादसा देखकर मौके मौजूद लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। एम्बुलेंस से घायल मां-बेटी को अस्पताल पहुंचाया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए बरेली भेज दिया गया। वहीं मेरठ में मेडिकल थाना क्षेत्र के सोमदत्त विहार निवासी रितेश सिंधू का 18 वर्षीय बेटा अरनव शाम को ट्यूशन पढ़कर बाइक से जेल चुंगी की तरफ से आ रहा था जबकि फार्च्यूनर कार सवार शर्मा नगर की ओर से आ रहे थे। विक्टोरिया पार्क के पास मोड़ पर कार चालक ने अरनव को टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार लेकर चालक और उसके साथी फरार हो गए। वहां से गुजर रहे अधिवक्ता अमरदीप ने लोगों की मदद से घायल अरनव को धनवंतरी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस और स्वजन भी पहुंच गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने फार्च्यूनर कार का नंबर यूपी 16 एएच 5000 पुलिस को दिया। पड़ताल करने पर पता चला कि कार किठौर से पूर्व भाजपा विधायक सत्यवीर त्यागी के भाई अनिल त्यागी की है, जो बी-104 सेक्टर-39 नोएडा गौतमबुद्धनगर के पते पर दर्ज है। थाना प्रभारी रमेश चंद्र शर्मा ने बताया कि कार चालक के बारे में पता लगाया जा रहा है। आसपास लगे सीसीटीवी की फुटेज भी खंगाली जा रही है। अरनव 12वीं का छात्र था। वहीं पूर्व विधायक किठौर सत्यवीर त्यागी ने कहा कि कार मेरे भाई अनिल त्यागी के नाम है, जिसको मैं ही इस्तेमाल करता हूं। आज मेरे लखनऊ जाने की वजह से चालक नीरज कार को ले गया था। कार से हादसे की सूचना मिली है। मृतक के परिवार से हमारी पूरी संवेदना है। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। मृतक के परिवार से संपर्क किया जा रहा है।

25 हजार का इनामी गिरफ्तार, साथी फरार

» बलरामपुर में मुठभेड़, प्रभारी निरीक्षक घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बलरामपुर। सादुल्लाहनगर थाना की पुलिस ने गुरुवार की रात गोवध के तीसरे आरोपी सैय्यदुल रहमान उर्फ फैज निवासी गड़रहिया इटईरामपुर को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। उसके ऊपर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। उसके पास से तमंचा, दो कारतूस, एक खोखा, एक मिस कारतूस व बाइक बरामद की गई है। उसका एक साथी भागने में कामयाब रहा।

मुठभेड़ में प्रभारी निरीक्षक राजकुमार सरोज के हाथ की हड्डी टूट गई है। आरोपी का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सादुल्लाहनगर में कराया जा रहा है। अपर पुलिस अधीक्षक नम्रिता श्रीवास्तव ने बताया कि सादुल्लाहनगर थाना क्षेत्र के अचलपुर घाट में गोकशी की घटना हुई थी। इसमें आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश की जा रही थी। सोमवार की रात चपरतलवा गुलरिया घाट के पास मुठभेड़ में आरोपी दीन मोहम्मद उर्फ पप्पू व साजिद अली उर्फ चिनकाऊ निवासी अमीनपुरवा लालपुर भलुहिया को गिरफ्तार कर लिया गया था। उनके दो साथी सैय्यदुल रहमान उर्फ फैज व सरातुल्लाह निवासी अमीनपुरवा फरार हो गए थे। दोनों की तलाश की जा रही थी। उन्होंने बताया कि गुरुवार की रात अमघटी जंगल के पास गोकुलाबुजुर्ग की तरफ आने वाले दो बाइक सवारों को पुलिस टीम ने रोका। इस पर दोनों भागने लगे। पीछा करने पर आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। इस दौरान उनकी बाइक सड़क पर गिर गई। उसका एक साथी गोकुलाबुजुर्ग की तरफ भाग गया जबकि दूसरा सैय्यदुल रहमान उर्फ फैज ने प्रभारी निरीक्षक पर फायर कर किया, लेकिन वह बाल-बाल बच गए। उनके हाथ की हड्डी टूट गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में आरोपी घायल हो गया। उसका इलाज कराया जा रहा है।

यूपी बोर्ड : अब परीक्षार्थियों के नहीं उतरवाए जाएंगे जूते-मोजे

केंद्र व्यवस्थापकों को दिए गए कड़े निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा में तलाशी के दौरान हो रही असुविधाओं को देखते हुए थोड़ी राहत दी गई है। अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा आराधना शुक्ला ने केंद्र व्यवस्थापकों को कड़े निर्देश दिए हैं कि परीक्षा अवधि में परीक्षार्थियों के जूते-मोजे न उतरवाएं।

आराधना शुक्ला ने निर्देश दिए हैं कि केंद्रों पर शुद्ध पेयजल की व्यवस्था रहे, टायलेट की नियमित साफ-सफाई हो, जिससे बच्चे प्रसन्नचित होकर परीक्षा के उत्सव में प्रतिभाग कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि सभी कक्ष निरीक्षक अपने आवंटित परीक्षा केंद्र में तत्काल उपस्थिति दें अन्यथा

उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा गुरुवार से शुरू हुई। अपर मुख्य सचिव शुक्ला ने खुद लखनऊ में बोर्ड परीक्षा की व्यवस्था देखने के लिए परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया था। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापकों से यह भी कहा कि परीक्षा अवधि में केंद्र व्यवस्थापक व स्टेटिक मजिस्ट्रेट के अतिरिक्त किसी को भी मोबाइल व इलेक्ट्रानिक डिवाइस ले जाना प्रतिबंधित रहेगा। वहीं, शासन की ओर से नामित नोडल अधिकारी हर जिले में उपस्थित थे और लगातार भ्रमणशील रहते हुए परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। विशेष सचिव, शंभु कुमार, शिक्षा निदेशक विनय कुमार पांडेय, संयुक्त सचिव विमल कुमार, उप सचिव राकेश श्रीवास्तव, उप सचिव अतुल कुमार मिश्र सहित तमाम अधिकारी दोनों पालियों में भ्रमणशील रहकर परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

पहले की चोरी, फिर लौटाया सामान चिट्ठी लिखकर मांगी माफी

» चोरों ने कहा, गलती हो गई, मुकदमा वापस ले लो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरादाबाद। यूपी के मुरादाबाद में चोरों ने अनोखी हरकत की। पहले चोरों ने एक सेवानिवृत्त बैंक मैनेजर के घर ताला तोड़कर वहां रखा सामान चोरी कर लिया और मुकदमा दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर बदमाशों ने चोरी किया माल लौटा दिया। सामान के साथ एक चिट्ठी भी लिखकर फेंकी, जिसमें लिखा था मैनेजर साहब चोरी करके गलती हो गई। अपना सामान लेकर मुकदमा वापस ले लो। क्षेत्र में चोरों की इस हरकत की खूब चर्चा हो रही है।

अगवानपुर के मुहल्ला कुरैशियान निवासी मुहम्मद महफूज प्रथमा बैंक से मैनेजर के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार को सुबह वह परिवार

के साथ एक समारोह में शामिल होने के लिए अमरोहा गये थे। मंगलवार की देर रात बदमाश दीवार फांदकर आवास में घुस गए। इस दौरान कमरे का ताला तोड़कर अंदर दाखिल हो गए। बदमाश अलमारी और उसके अंदर का लाकर तोड़कर लगभग 32 तोला सोने के ज्वैलरी, साढ़े पांच लाख रुपये की नकदी के साथ ही अन्य सामान चोरी कर ले गए। गुरुवार को बैंक मैनेजर के घर के आंगन में पैसे मिलने के साथ ही चिट्ठी मिली। चोरों ने मुकदमा वापस लेने के साथ ही चोरी की गलती मानने के साथ माफी मांगी है।

कानपुर-टूंडला पैसेंजर में लगी आग, हड़कंप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। कानपुर से टूंडला आ रही पैसेंजर ट्रेन के इंजन और कोच के बीच आग लग गई। ट्रेन को हिरनगांव में रोककर नियंत्रण कक्ष को सूचना दी गई। चालक और गार्ड ने अग्निशमन यंत्र की मदद से आग पर जल्द ही बुझा दी लेकिन इंजन ने काम करना बंद कर दिया। ऐसे में दूसरा इंजन भेजा गया, तब जाकर ट्रेन चली। इस दौरान दो घंटे ट्रेन हिरनगांव में खड़ी रही।

कानपुर से टूंडला आ रही थी ट्रेन

घटना गुरुवार को देर रात की है। कानपुर से टूंडला की ओर आ रही 04187 ईएमयू जैसे ही फिरोजाबाद रेलवे स्टेशन से गुजरी, तभी हिरनगांव स्टेशन से पूर्व ट्रेन के इंजन व कोच के बीच में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। इससे इंजन ने काम करना बंद कर दिया। चालक सरदार सिंह और गार्ड रमेशचन्द्र श्रीवास्तव ने तत्काल अग्निशमन यंत्रों से लगी आग पर काबू पा लिया। नियंत्रण कक्ष में सूचना मिलते ही पीछे की सभी ट्रेनों को रोक दिया गया। विभागीय कर्मचारियों की टीम को घटनास्थल पर भेजा गया। मौके पर पहुंची टीम ने पाया कि दो कोच के बीच कपलिंग के पास आग लगी थी। स्टेशन अधीक्षक टूंडला सुजीत कुमार सिंह रिलीफ इंजन लेकर घटनास्थल के लिए रवाना हो गए। रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि ईएमयू के इंजन और कोच के बीच चिंगारी निकल रही थी। रेल चालक व गार्ड ने उसे बुझा लिया है। घटना से कोई हताहत नहीं है।

एमएलसी चुनाव : अब तक नौ भाजपा प्रत्याशी निर्विरोध हुए निर्वाचित

» विपक्षी उम्मीदवारों के पर्चा वापस लेने के बाद घोषित किया गया परिणाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र के एमएलसी चुनाव में भाजपा के दो और उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिए गए। कुल मिलाकर पहले चरण में 30 में से 9 प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित घोषित हुए हैं। 21 सीटों पर 9 अप्रैल को मतदान होगा।

गुरुवार को लखीमपुर में निर्दल उम्मीदवार नरसिंह यादव ने अपना पर्चा वापस ले लिया। इससे भाजपा उम्मीदवार अनूप कुमार गुप्ता का रास्ता साफ हो गया और वह निर्विरोध निर्वाचित हो गए। इसी तरह बांदा-हमीरपुर सीट से सपा उम्मीदवार

आनंद कुमार त्रिपाठी ने अचानक रिटर्निंग आफिसर के यहां पहुंच कर अपना नाम वापस ले लिया। यहां जितेंद्र सेंगर निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिए गए। इसके अलावा सात अन्य भाजपा उम्मीदवारों को अधिकृत रूप से निर्वाचित घोषित कर दिया गया। इसमें एटा-मैनपुरी-मथुरा की एक सीट से आशीष यादव, एटा-मैनपुरी-मथुरा की दूसरी सीट से ओम प्रकाश सिंह, बुलंदशहर से नरेंद्र भाटी, अलीगढ़ से ऋषिपाल, हरदोई से अशोक अग्रवाल, मिर्जापुर-सोनभद्र सीट से श्याम नारायण सिंह उर्फ विनीत सिंह और बदायूं सीट से वागीश पाठक निर्विरोध निर्वाचित हुए। वहीं जिन 21 सीटों पर चुनाव तय हो गया है उसमें मुरादाबाद-बिजनौर, रामपुर-बरेली, पीलीभीत-शाहजहांपुर, सीतापुर, लखनऊ-उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, बाराबंकी, बहराइच, आजमगढ़-मऊ, गाजीपुर, जौनपुर, वाराणसी, इलाहाबाद, झांसी-जालौन-ललितपुर, कानपुर-फतेहपुर, इटावा-फर्रुखाबाद, आगरा-फिरोजाबाद, मेरठ-गाजियाबाद और मुजफ्फरनगर-सहारनपुर सीट शामिल है। इन सीटों पर 9 अप्रैल को मतदान होगा और 12 अप्रैल को मतगणना होगी। छह अन्य सीटों पर नाम वापसी की अंतिम आज है।

» मुठभेड़ में मारा गया इनामी बदमाश राहुल सिंह
» ज्वैलर्स लूट कांड में था वांछित

पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर की सख्ती का असर, एक लाख का इनामी राहुल सिंह ढेर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर की सख्ती का असर राजधानी लखनऊ में दिख रहा है। डीके ठाकुर के निर्देशन में अलीगंज थाने की पुलिस टीम ने अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही एवं वांछित अभियुक्तों के विरूद्ध चलाए जा रहे गिरफ्तारी अभियान के क्रम में आज एक लाख के इनामी राहुल सिंह को ढेर कर दिया है। अलीगंज में तिरुपति ज्वैलर्स के यहां कर्मचारी की हत्या कर लूटपाट करने के आरोपित एक लाख के इनामी राहुल की पुलिस से मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पुलिस की जवाबी कार्यवाही में एक लाख का इनामी बदमाश राहुल मारा गया।

राहुल मूल रूप से शाहजहांपुर का रहने वाला था। आरोपित ने आठ दिसंबर 2021 में तिरुपति ज्वैलर्स में साथियों के साथ लूटपाट की घटना को अंजाम दिया था। वहीं मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह के कुछ घंटे पहले ही लखनऊ पुलिस ने मुठभेड़ में कई मामलों में वांछित चल रहे राहुल को मार गिराया। इंस्पेक्टर अलीगंज धर्मेंद्र यादव के मुताबिक आज तड़के करीब तीन बजे पुलिस चेकिंग के दौरान बंधा रोड हेल्थ हास्पिटल हसनगंज के पास बिना नंबर की अपाचे मोटरसाइकिल पर सवार को रोका गया। पुलिस के रोकने पर बाइक सवार युवक भागने लगा। संदेह होने पर पीछा किया गया तो उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में वह घायल हो गया। छानबीन में पता चला कि मुठभेड़ में घायल युवक एक लाख का इनामी मोरापुर थाना जलालाबाद शाहजहांपुर निवासी राहुल सिंह है। आरोपित को भाऊराव देवरस अस्पताल में ले जाया गया था, जहां से उसे ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। अस्पताल में डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

राहुल के पास से बिना नम्बर की एक अपाचे बाइक, अवैध असलहे व कई कारतूस तथा कीमती जेवर बरामद किए गए हैं। राहुल सिंह ने कपूरथला स्थित निखिल अग्रवाल के तिरुपति ज्वैलर्स में आठ दिसंबर 2021 को कर्मचारी श्रवण को गोली मारकर करीब 40 लाख रुपए कीमत के सोने के गहने लूट लिये थे। तब उस पर एक लाख रुपए का इनाम रखा गया था। 16 दिसंबर 2021 को इस घटना में शामिल उसके साथी गाजीपुर सेक्टर सी निवासी हर्ष सिंह उर्फ हनी सिंह और गुडंबा कल्याणपुर निवासी रवि कुमार वर्मा को गिरफ्तार किया गया था।

जनता को जस्टिस चाहिए जेसीबी नहीं : अखिलेश

» जज मनोज शुक्ला की तस्वीर शेयर कर योगी सरकार पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बस्ती जिले में एक अजीबोगरीब घटनाक्रम सामने आया। यहां हर्रैया ब्लॉक के छपिया शुक्ल गांव में रजवाहा नहर की खुदाई के विरोध में सुल्तानपुर जिले में तैनात न्यायिक अधिकारी एडीजे मनोज शुक्ला जेसीबी के सामने रात भर अड़े रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि नहर के लिए उन्होंने अपनी जमीन का कोई बैनामा नहीं किया है। उनकी इजाजत के बगैर ही जिला प्रशासन की मिलीभगत से नहर विभाग उनके खेत में अवैध रूप से नहर की खुदाई कर रहा है।

न्यायिक अधिकारी के धरने पर बैठने की सूचना मिलते ही हड़कंप मच गया। आनन-फानन में प्रशासनिक अधिकारी और कई थानों की फोर्स पहुंच गई। रात भर चली मनुहार के बाद न्यायिक अधिकारी धरने से हटे। इस पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसे लेकर सरकार पर तंज कसा है। अखिलेश ने एक ट्वीट में लिखा कि उत्तर प्रदेश में हो रहे अन्याय के खिलाफ अपर जिला जज मनोज कुमार शुक्ला के मामले का तुरंत न्यायिक संज्ञान लिया जाए। जब न्यायालय से जुड़े व्यक्तियों के साथ ऐसा हो रहा है तो आम जनता के साथ क्या होगा। ये बदहाल कानून-व्यवस्था का निकृष्टतम उदाहरण है। जनता को जस्टिस चाहिए जेसीबी नहीं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश ने अपर जिला जज मनोज शुक्ला की एक तस्वीर शेयर करते हुए योगी आदित्यनाथ के कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। अखिलेश ने कहा कानून व्यवस्था पहले से बदत्तर हो गई है, मगर सरकार ध्यान नहीं दे रही। सरकार का पहला कर्तव्य जनता का हित है। बता दें कि इस बार अखिलेश विपक्ष के सबसे बड़े चेहरे के रूप में उभरे हैं।

वाराणसी में संघ प्रमुख भागवत बोले-

संघ के संख्यात्मक संग गुणात्मकता वृद्धि पर दें जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा शताब्दी वर्ष समीप आ रहा है। हर तीन वर्ष में संघ भौगोलिक व कार्य के आयामों में विस्तार को लेकर योजनाएं बनाता है। अभी देश भर में 50 प्रतिशत मंडलों में संघ का कार्य पहुंचा है। इस कारण इसे सभी मंडलों तक पहुंचाने का लक्ष्य है। इसमें यह ध्यान रखने की जरूरत है कि संघ का कार्य बढ़ाने का मतलब आंकड़ों से नहीं है।

संघ का उद्देश्य समाज की आंतरिक शक्ति को बढ़ाना है ताकि सामाजिक एकता, समरसता, संगठन भावना है। संघ प्रमुख अपने चार दिवसीय काशी प्रवास के तीसरे दिन प्रवास स्थल विश्व संवाद केंद्र में काशी प्रांत के प्रचारकों के साथ बैठक कर रहे थे। इस दौरान संघ प्रचारक, बौद्धिक शिक्षण प्रमुख, प्रांत संपर्क प्रमुख, प्रांत व्यवस्थापक, प्रांत सेवा प्रमुख आदि के मौजूद रहे। इसमें प्रमुख रहे प्रांत प्रचारक रमेश, अखिल भारतीय गौ सेवा प्रमुख अजित प्रसाद महापात्र, क्षेत्र कार्यवाह वीरेंद्र, विभाग संघचालक जेपी लाल, क्षेत्र प्रचारक अनिल आदि मौजूद हैं। इसके पूर्व संघ प्रमुख 23 मार्च को गोरखपुर से काशी पहुंचे थे। उसके बाद गाजीपुर के जखनियां स्थित हथियाराम मठ चले गए थे। गुरुवार को उन्होंने गंगा आरती में भाग लेने के साथ ही बाबा विश्वनाथ के नव्य भव्य स्वरूप का दर्शन पूजन किया था। उसके बाद वह देर रात बाबा कालभैरव के दरबार में भी मत्था टेका। संघ प्रमुख के प्रवास स्थल पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। पुलिस का पहरा है।

दिल्ली : निगम के एकीकरण वाला बिल पेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में दिल्ली नगर निगम संशोधन बिल 2022 पेश कर दिया है। गौरतलब है कि इसी मंगलवार को मोदी कैबिनेट ने दिल्ली के तीनों नगर निगमों के एकीकरण पर अपनी मुहर लगा दी थी। कल यानी गुरुवार को भाजपा ने अपनी सभी सांसदों को लोकसभा की कार्यवाही में उपस्थित रहने के लिए व्हिप भी जारी किया था।

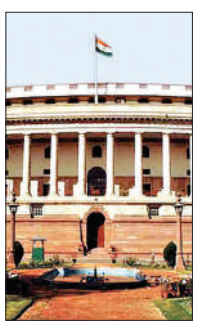

गौरतलब है कि साल 2011 में दिल्ली नगर निगम के तीन टुकड़े किए गए थे। नगर निगम को दक्षिणी दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी), उत्तरी दिल्ली नगर निगम (एनडीएमसी) और पूर्वी दिल्ली नगर निगम (ईडीएमसी) समेत तीन नगर निगमों में विभाजित किया गया था। गौरतलब है कि दिल्ली नगर निगम की चुनाव की तारीख का इसी महीने एलान होना था। राज्य चुनाव आयोग ने नौ मार्च को पीसी भी की थी। इस पीसी में चुनाव आयोग ने कहा था कि उपराज्यपाल ने पत्र भेजकर तीनों नगर निगमों के एकीकरण के लिए केंद्र सरकार की मंशा से उसे अवगत कराया है। इस वजह से आयोग निगम चुनाव की तारीख की घोषणा टाल दी थी। आयोग का कहना है कि 18 मई से पहले नगर निगम का चुनाव हो जाना चाहिए। इसके लिए 18 अप्रैल तक अधिसूचना जारी करनी होगी।

अब सिर्फ एक पेंशन मिलेगी : मान

» विधायकों की पेंशन के फॉर्मूले में बदलाव का ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान एक के बाद एक कई बड़े फैसले ले रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने विधायकों की पेंशन के फॉर्मूले में बदलाव का ऐलान किया। अब विधायकों को एक बार पेंशन मिलेगी। अब तक जितनी बार कोई विधायक बनता था, पेंशन की राशि जुड़ती जाती थी। भगवंत मान ने कहा कि इस राज्य में बेरोजगारी बड़ा मुद्दा है।

युवा डिग्रियां लिए घर पर बैठे हैं, जिन्होंने नौकरी मांगी, तो उन्हें लाठीचार्ज मिला। उन पर पानी फेंका गया, उन्हें नौकरियां नहीं मिलीं। ऐसे में हम इस समस्या को खत्म करने के लिए बड़े बड़े कदम उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विधायक हाथ जोड़कर वोट मांगते हैं लेकिन बहुत सारे विधायक तीन बार जीते, चार बार जीते, 6 बार जीते, लेकिन वे हार गए। उन्हें हर महीने लाखों रुपए की पेंशन मिलती है। किसी को 5 लाख, किसी को 4 लाख पेंशन मिल रही है। कुछ लोग ऐसे भी हैं, तो पहले सांसद रहे, फिर विधायक रहे, वे दोनों की पेंशन ले रहे हैं। ऐसे में पंजाब सरकार बड़ा फैसला करने जा रही है। उन्होंने कहा, चाहें कोई कितनी बार जीते, लेकिन अब से सिर्फ एक पेंशन मिलेगी। जो करोड़ों रुपए बचेंगे, उन्हें लोगों की भलाई के लिए खर्च किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।